D.El.Ed 2nd Sem
Present Indian Society and Elementary Education

4 may 2020
monday

माध्यमिक शिक्षा आयोग / मुदालियर कमीशन

सन् 1948 में केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने भारत सरकार के समक्ष भारतीय माध्यमिक शिक्षा की जाँच के लिए एक आयोग की नियुक्ति का विचार प्रस्तुत किया था। इसके फलस्वरूप 23 सितम्बर 1952 को डॉ० लक्ष्मण स्वामी मुदालियर की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा आयोग की नियुक्ति की गई।

इस आयोग को 'मुदालियर कमीशन' के नाम से जाना जाता है।

आयोग का उद्देश्य

"भारत की तत्कालीन माध्यमिक शिक्षा के सभी पक्षों की जाँच करना उनके विषय में रिपोर्ट देना और उसके पुनर्गठन एवं सुधार के सम्बन्ध में सुझाव प्रस्तुत करना है।"

माध्यमिक शिक्षा आयोग ने '29 अगस्त 1953' को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रतिवेदन में माध्यमिक शिक्षा आयो ने माध्यमिक-शिक्षा के निम्नलिखित उद्देश्य निश्चित किये —

1. जनतान्त्रिक भावना का विकास।
2. व्यक्तित्व का विकास।
3. व्यवहारिक और व्यवसायिक क्षमता का विकास।
4. साहित्यिक, कलात्मक और सांस्कृतिक रुचियों का विकास।
5. नेतृत्व के लिये शिक्षा।

Scanned with CamScanner